लखनऊ ने केकेआर को चार रनों से हराया

कोलकाता। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में केकेआर को हराया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता के लिए रहाणे और रिंकू सिंह ने शानदार पारियां खेली, लेकिन टीम जीत हासिल करने से चार रन पीछे रह गई। कप्तान अजिंक्य रहाणे के अर्धशतक और रिंकू सिंह की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए थे। जवाब में केकेआर की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी। रहाणे ने 35 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि रिंकू ने 15 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 38 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने क्विंटन डिकॉक का विकेट जल्दी गंवा दिया था जो 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सुनील नरेन और रहाणे ने दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी की। हालांकि, दिग्वेश राठी ने नरेन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नरेन 13 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रहाणे इसके बाद भी नहीं रुके और उन्होंने 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। रहाणे और वेंकटेश अय्यर जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि केकेआर शायद इस विशाल लक्ष्य को हासिल कर सकती है, लेकिन शार्दुल ने रहाणे को आउट कर केकेआर को बड़ा झटका दिया। रहाणे के आउट होने के बाद केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और उसने रमनदीप (1), अंगकृष रघुवंशी (5), वेंकटेश अय्यर (45) और आद्रे रसेल (7) के विकेट गंवाए। केकेआर के लिए इसके बाद लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल लग रहा था, लेकिन रिंकू ने अंतिम ओवरों में धमाल मचाया। केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 24 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम 20 रन ही बना सकी। इस तरह लखनऊ ने यह मुकाबला अपने नाम किया।

केकेआर के लिए हर्षित राणा 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आवेश खान, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला। लखनऊ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर का स्कोर 200 के पार पहुंच गया है। केकेआर के लिए रिंकू सिंह क्रीज पर मौजूद हैं। केकेआर ने 18वें ओवर की समाप्ति तक सात विकेट पर 201 रन बना लिए हैं। शार्दुल ठाकुर ने आंद्रे रसेल को आउट कर केकेआर को सातवां झटका दिया। रसेल चार गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर को आकाश दीप ने आउट कर केकेआर को छठा झटका दिया। वेंकटेश अर्धशतक लगाने के करीब थे, लेकिन वह चूक गए। वेंकटेश 29 गेंदों पर छह चौका और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। आवेश खान ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे अंगकृष रघुवंशी को आउट कर केकेआर को पांचवां झटका दिया है। रघुवंशी चार गेंदों पर पांच रन बनाकर आउट हुए।

रवि बिश्नोई ने रमनदीप सिंह को आउट कर केकेआर को चौथा झटका दिया। रमनदीप दो गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हुए। केकेआर ने 14 ओवर की समाप्ति तक चार विकेट पर 166 रन बनाए हैं। उसे जीत के लिए 36 गेंदों पर 73 रन बनाने की जरूरत है। केकेआर को कप्तान अजिंक्य रहाणे के रूप में तीसरा झटका लगा है। रहाणे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और अर्धशतक लगा चुके थे। रहाणे ने वेंकटेश अय्यर के साथ 71 रनों की साझेदारी की। रहाणे 35 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। 13 ओवर की समाप्ति के बाद केकेआर का स्कोर तीन विकेट पर 162 रन है। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लखनऊ के खिलाफ आईपीएल के मुकाबले में 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया है। रहाणे और वेंकटेश के दम पर केकेआर ने लखनऊ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 136 रन बना लिए हैं। केकेआर को अब जीत के लिए 54 गेंदों पर 103 रन बनाने हैं। लखनऊ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर का स्कोर 110 के पार पहुंच गया है। केकेआर के लिए रहाणे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं अर्धशतक के करीब हैं। उनका साथ वेंकटेश अय्यर निभा रहे हैं। केकेआर ने नौ ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 116 रन बनाए हैं।

श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान

नई दिल्ली। इस महीने के अंत में श्रीलंका में शुरू होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान हो गया है। स्टार ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर की टीम में वापसी हुई है और वही टीम का कमान भी संभालेंगी। हरमनप्रीत को जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए आराम दिया गया था। बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया है और स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 27 अप्रैल को शुरू होगी और 11 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के अलावा इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम हिस्सा लेगी।

डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट

यह टूर्नामेंट डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 27 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। तीनों टीमें चार-चार मैच खेलेंगी और शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और तितास साधु चोटिल हैं। इसलिए उनके चयन पर विचार नहीं किया गया। टीम में काशवी गौतम, श्री चरणी और शुचि उपाध्याय को शामिल किया गया है। इन तीनों ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और टीम में नया चेहरा हैं।

भारतीय टीम में तीन नए चेहरे

21 साल की तेज गेंदबाज काशवी गौतम को मौका दिया गया है। वह महिला प्रीमियर लीग में स्टार परफॉर्मर रही थीं। उन्होंने टूर्नामेंट में नौ मैचों में कुल 11 विकेट झटके थे। उन्हें इस प्रदर्शन के आधार पर पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। 20 साल की चरणी बाएं हाथ की स्पिनर हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में दो मैच खेले थे और चार विकेट लिए थे। वहीं, बाएं हाथ की स्पिनर शुचि सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी टूर्नामेंट में तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। उन्होंने 3.48 की इकोनॉमी रेट से नौ पारियों में 18 विकेट झटके थे। उनकी टीम मध्य प्रदेश ने ट्रॉफी जीती थी और वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

हरमनप्रीत कौर चोट से जूझ रही थीं

भारत ने आयरलैंड के खिलाफ अपनी पिछली वनडे सीरीज को 3-0 से जीता था। हरमनप्रीत इस सीरीज का हिस्सा नहीं रही थीं और मंधाना ने उनकी गैरमौजूदगी में टीम का नेतृत्व किया था। दीप्ति शर्मा ने उप कप्तान की भूमिका निभाई थी। दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हरमनप्रीत के घुटने में चोट लग गई थी। इससे पहले इस 35 वर्षीय खिलाड़ी को अक्तूबर 2024 में महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान गर्दन में चोट लग गई थी।

रेणुका पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान हैं

हरमनप्रीत ने हालांकि पिछले महीने महिला प्रीमियर लीग में सफल वापसी की थी। मुंबई इंडियंस ने उनकी अगुवाई में खिताब जीता था। तेज गेंदबाज रेणुका को भी आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में आराम दिया गया था। वह दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में तीन मैचों में 10 विकेट लेकर सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थी।

पांच पारियों में चौथी बार मिचेल मार्श ने जड़ा पचास

कोलकाता। लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के स्टार बल्लेबाज मिचेल मार्श शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतक जड़ा। इसी के साथ मार्श ने डेविड वॉर्नर और विराट कोहली की बराबरी कर ली। वह आईपीएल के शुरुआती पांच मैचों में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए।

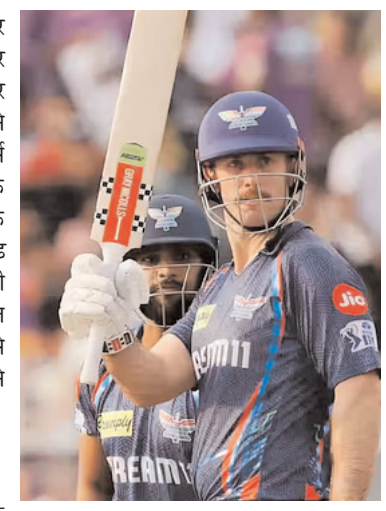

मार्श ने लखनऊ को दिलाई अच्छी शुरुआत

मार्श ने लखनऊ को आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने एडेन मार्करम के साथ पहले विकेट के लिए 99 रनों की साझेदारी निभाई। हर्षित राणा ने मार्करम को बोल्ड किया। वह 47 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मार्श को निकोलस पूरन का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 30 गेंदों में 71 रनों की पार्टनरशिप हुई। दाएं हाथ के बल्लेबाज मार्श छह चौके और पांच छक्के की मदद से 81 रन बनाने में कामयाब हुए। उन्हें रसेल ने अपना शिकार बनाया। इसी के साथ मार्श शुरुआती पांच पारियों में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने चार बार यह कारनामा इस सत्र में किया है। उनसे पहले डेविड वॉर्नर (2016), विराट कोहली (2016) और क्रिस गेल (2018) ने शुरुआती पांच पारियों में चार बार 50 से ज्यादा रन बनाए।

पांच पारियों में लगाए चार अर्धशतक

मार्श इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और पांच में चार पारियों में अर्धशतक जड़ चुके हैं। मार्श के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 36 पारियों में तीन बार अर्धशतक लगाया, लेकिन इस सीजन वह पांच पारियों में चार बार 50 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। मार्श ने इस सत्र 72, 52, 0, 60 और 81 रन बनाए हैं। वह पावरप्ले के दौरान लखनऊ के लिए अर्धशतक लगाने वाले काइल मायर्स के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से 2024-25 में बिकीं 2.61 करोड़ से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली। यात्री और दोपहिया वाहन श्रेणी में ग्रामीण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश के खुदरा बाजारों में बीते वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 2.61 करोड़ से ज्यादा गाड़ियां बिक गईं। यह 2023-24 में बिके कुल 2,45,58,437 वाहनों की तुलना में 6 फीसदी अधिक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को कहा, 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर के पंजीकरण में गिरावट रही। संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 2023-24 के 39,60,602 की तुलना में बीते वित्त वर्ष पांच फीसदी बढ़कर 41,53,432 इकाई पहुंच गई।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में 8 फीसदी का उछाल

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 2024-25 में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 1,88,77,812 इकाई पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच फीसदी बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई। हालांकि, ट्रैक्टर की बिक्री एक फीसदी घटकर 8,92,410 इकाई रह गई। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा, 2024-25 वास्तव में खुदरा वाहन क्षेत्र के लिए लचीला रहा। मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। उधर, यूरोपीय संघ ने भारत के साथ लंबित व्यापार समझौते के तहत कार आयात पर टैरिफ समाप्त करने की मांग की है। सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार वार्ता को अंतिम रूप देने के लिए अपने वर्तमान प्रस्ताव को और अधिक सरल बनाने को तैयार है। कुछ सप्ताह पहले अमेरिका ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों सहित कारों पर आयात शुल्क समाप्त करने की मांग की थी, जिससे घरेलू कार निर्माताओं पर दबाव बढ़ गया है। वाहन उद्योग और सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत टैरिफ को 100 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने के लिए तैयार है। ऐसा तब है जब भारत के ऑटो उद्योग ने सीमित संख्या में पेट्रोल कारों पर टैरिफ को तत्काल 100 फीसदी से घटाकर 70 फीसदी करने और फिर चरणबद्ध तरीके से 30 फीसदी तक कटौती करने का प्रस्ताव दिया है। ईवी के मामले में, कार निर्माता चाहते हैं कि 2029 तक टैरिफ में कोई कटौती न की जाए और उसके बाद सीमित आयात पर चरणबद्ध तरीके से 30 फीसदी तक कटौती की जाए।

मेटल, रियल्टी और कमोडिटीज में आगे भारी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से बाजार में भारी गिरावट का सबसे ज्यादा असर मेटल, रियल्टी, कमोडिटीज और औद्योगिक क्षेत्रों पर पड़ा है। विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर टैरिफ पर कोई बात नहीं बन पाती है तो आगे इन क्षेत्रों में और ज्यादा गिरावट आ सकती है। ऐसे में निवेशकों को सावधानी के साथ बाजार में निवेश करना चाहिए। भारतीय बाजार में सोमवार को जिन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, उनमें मेटल, 6.22 फीसदी, रियल्टी, 5.69 फीसदी, कमोडिटीज 4.68 फीसदी, औद्योगिक 4.57 फीसदी, ऑटो 3.77 फीसदी और बैंकेक्स में 3.37 फीसदी गिरावट रही। विश्लेषकों के मुताबिक, आईटी और धातु जैसे क्षेत्रों ने व्यापक बाजार के सापेक्ष कम प्रदर्शन किया है, क्योंकि धीमी वृद्धि के साथ उच्च महंगाई का जोखिम है । इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में संभावित मंदी हो सकती है। मेटल क्षेत्र की जिन कंपनियों के शेयरों पर टैरिफ का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला, उनमें नेशनल एल्युमिनियम 8.18 फीसदी, टाटा स्टील 7.73 फीसदी, जेएसडब्ल्यू स्टील 7.58 फीसदी, सेल 7.06 फीसदी और जिंदल स्टील 6.90 फीसदी टूट गया। इनकी तुलना में बाकी क्षेत्र के शेयरों में कम गिरावट रही। इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गिरावट इसलिए आई, क्योंकि टैरिफ का सर्वाधिक असर इन्हीं क्षेत्रों पर होने वाला है।

बाजार में बड़ी गिरावट के हर बार चमका है सोना

घबराहट के कारण बिकवाली, कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली से सोमवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1,550 रुपये सस्ता होकर 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ। चांदी की कीमत में भी 3,000 रुपये की भारी गिरावट रही और यह 93,000 के नीचे 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई थी।

चांदी 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद

सराफा कारोबारियों का कहना है कि आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की भारी बिकवाली से सोने की कीमतों में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी ने कहा, शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्ति वर्गों में घबराहट के कारण बिकवाली जारी रहने से सुरक्षित निवेश वाली कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 10.16 डॉलर गिरकर 3,027.20 डॉलर प्रति औंस रहा।

चांदी पांच सत्र में 10,500 रुपये सस्ती

चांदी की कीमतों में लगातार पांच कारोबारी सत्रों से गिरावट जारी है। इस दौरान चांदी 10,500 रुपये सस्ता होकर एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गई। वहीं, सोना पिछले दो कारोबारी सत्रों में 2,900 रुपये सस्ता हुआ है।

बाजार में बड़ी गिरावट के हर बार चमका है सोना

दुनियाभर के बाजारों में जब-जब बड़ी गिरावट आई है, सोने ने हर बार निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है।

2008 में वैश्विक मंदी के दौरान एसएंडपी-500 में 57.69 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि सोना 39.56 फीसदी उछल गया था। डॉट कॉम बबल के कारण जब शेयर बाजारों में गिरावट आई थी, जब एसएंडपी-500 49.20 फीसदी गिर गया था, जबकि सोने की कीमतें 21.65 फीसदी बढ़ गई थीं। 2020 में कोविड के दौरान शेयर बाजार 35.71 फीसदी टूट गए थे, जबकि सोने ने 32.48 फीसदी रिटर्न दिया था। मौजूदा टैरिफ वार के बीच एसएंडपी-500 में 21.87 फीसदी की गिरावट देखी गई है, जबकि सोने में 21.15 फीसदी की तेजी आई है।

रुपया 38 पैसे टूटा, पांच सप्ताह की बड़ी गिरावट

व्यापार युद्ध बढ़ने और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका के बीच रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 38 पैसे गिरकर 85.82 पर बंद हुआ। यह रुपये में पांच सप्ताह की सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट है। फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और कमजोर डॉलर भी रुपये में नुकसान को रोकने में विफल रहे, क्योंकि विदेशी और घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों में पूंजी निकासी की होड़ मची थी। अमेरिका की ओर से कई देशों पर व्यापक जवाबी शुल्क और अमेरिकी आयात पर चीन के जवाबी कदम के बाद निवेशकों ने जोखिम से बचने की कोशिश की। इससे वैश्विक स्तर पर मुद्रा विनिमय बाजारों में अत्यधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.79 पर खुला। दिन के कारोबार में 85.57 से 85.90 के दायरे में रहा।

टैरिफ हंगामे के बीच एशियाई बाजार संभले

जापान के निकेइ 225 शेयर सूचकांक में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी

बैंकॉक। टैरिफ वॉर के बीच सोमवार को दुनियाभर के बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। हालांकि मंगलवार को तस्वीर बदली नजर आई और एशियाई बाजारों में बढ़ोतरी देखी गई। जापान का निकेइ 225 शेयर सूचकांक एक दिन पहले 8 प्रतिशत गिरा, लेकिन मंगलवार को इसमें 5.5 प्रतिशत की तेजी देखी गई। सोमवार को एशियाई बाजारों में भारी गिरावट आई। हांगकांग के शेयरों में 13.2त्न की गिरावट आई, जो एशियाई वित्तीय संकट के दौरान 1997 के बाद सबसे खराब दिन रहा।

मंगलवार को संभले एशियाई बाजार

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने के एलान के बाद सोमवार को अमेरिका समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई। अमेरिकी शेयर बाजार भी धड़ाम हुआ। वहीं मंगलवार को जापान के टोक्यो में बाजार खुलने के आधे घंटे बाद निकेइ 225 बढ़त के साथ 32,819.08 अंक पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में भी 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाजारों में भी तेजी देखी गई।

सोमवार को भारी गिरावट से खुले थे बाजार

सोमवार को एसएंडपी 500 में 0.2प्रति. की गिरावट आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 349 अंक या 0.9प्रति. की गिरावट आई, और नैस्डैक कंपोजिट में 0.1प्रति. की बढ़त दर्ज की गई। तीनों इंडेक्स में दिन की शुरुआत भारी गिरावट से हुई। इसके बाद दुनिया के अन्य हिस्सों में भी गिरावट के बाद डॉव जोंस में 1,700 अंकों तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि बाद में इसमें लगभग 900 अंकों की बढ़त हुई। इस बीच, एसएंडपी 500 4.7प्रति. की गिरावट से 3.4प्रति. की उछाल पर पहुंच गया, जो बीते कई वर्षों में इसकी सबसे बड़ी उछाल है। इस उठा-पटक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें ट्रंप ने लिखा कि चीन ने अमेरिका पर जो 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, अगर उसे 24 घंटे में नहीं हटाया तो चीन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।